मेरी गांड मारने की मामा की ख़्वाहिश पूरी की-3

“मामा मेरी गांड मार चुके थे, मेरी गांड में दर्द हो रहा था लेकिन मैं मामा की चुदाई से मिलने वाले मजे से बहुत खुश थी. आगे पढ़ें कि हम मामा भांजी ने क्या क्या गुल खिलाये. …”

Story By: rishanki gupta (rishanki)
Posted: शुक्रवार, दिसम्बर 1st, 2017
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: मेरी गांड मारने की मामा की ख़्वाहिश पूरी की-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी गांड मारने की मामा की ख़्वाहिश पूरी की-3

ख़ाना खाने के बाद हम दोनों सोने चले गये, मैं गांड के बल से नहीं लेट सकती थी इसलिए मैं मामा जी के छाती पर सर रख कर लेट गयी जिससे मेरी गांड ऊपर की ओर थी और मैंने घुटना मोड़ कर अपनी जांघ मामा जी लंड के ऊपर डाल दी. पर हम दोनों ही अभी कपड़े पहने हुए थे.

मैं मामा जी से बात करने लगी, मैंने मामा जी से पूछा- आज आपने चादर नीचे फर्श पर बिछा कर क्यों चुदाई की ?
मामा जी बोले- मुझे पता था कि तुम सू सू नहीं रोक पाओगी, अगर बेड के ऊपर चुदाई करता चादर और गद्दा दोनों गीले हो जाते.

फिर मैंने पूछा- आप मुझसे खुश तो हैं ना ?
मामा जी बोले- हाँ बहुत !
मैंने पूछा- कैसे ?
मामा जी बोले- तुम जो इतना प्यार देती हो, बस थोड़ी से कमी है.
मैंने पूछा- वो क्या है ?

मामा जी मेरे टॉप के अंदर हाथ डाल कर मेरी चुची को मसलते हुए बोले- ये थोड़ी छोटी हैं, थोड़ा खाने पीने पर ध्यान दिया करो.
मैं बोली- आप हो ना बड़ी करने के लिए !
मामा जी बोले- वो कैसे ?
मैं बोली- आप तो हर रोज मुझे पढ़ने आओगे ही ना... तो हर रोज मसल मसल कर बड़ी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर देना.

यह सुन कर मामा जी ने मेरे निप्पल को ज़ोर से मसल दिया, मैं चीख उठी 'उम्म्ह… अहह… हय… याह…' और बोली- इतनी ज़ोर से क्यों मसलते हैं, दर्द होता है.

फिर मामा जी ने पूछा- तू मुझसे नाराज़ तो नहीं ही ना ?
मैंने पूछा- मैं नाराज़ क्यों हूँगी ?
मामा बोले- मेरे लिए जो तुम इतनी दर्द सहती हो ?
मैं बोली- हाँ, नाराज़ तो हूँ मैं आप से !
मामा बोले- कैसे ?
मैं बोली- आपने जो अपना लंड इतना लम्बा और मोटा बना रखा है, ये हर बार चुदाई में बेहिसाब मीठा मीठा दर्द और अहसास दे जाता है.

मामा जी बोले- तो तुम ही बताओ ये नाराज़गी कैसे दूर करूं मैं ?
मैं मुस्कुरा कर बोली- मेरी एक ख्वाहिश पूरी कर के !
मामा जी ने पूछा- वो क्या ?
मैं बोली- मुझे भी आपकी लंड से सू सू निकलते देखनी है और लंड से रस भी निकलते देखनी है.

मामा जी मान गये, बोले- ठीक है अभी की चुदाई में ये इच्छा भी पूरी कर दूँगा.
ये सब बात सुन कर मामा जी का लंड तनने लगा था क्योंकि मेरी शॉर्ट्स के नीचे वाली जाँघ का हिस्सा मामा जी के लंड पर था और मामा जी का लंड पैन्ट के अंदर तन चुका था. इसका अहसास मेरी जांघ को हो रहा था.

मैं मामा जी छाती पर सर रख कर लेटी रही पर लंड पर से जाँघ हटा ली, अब मामा जी का लंड थोड़ा थोड़ा खड़ा दिख रहां था पैन्ट के ऊपर से. यह देख कर मुझसे रहा नहीं जा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रहा था, मैं झट से पैन्ट के ऊपर से मामा जी के लंड को मसलने लगी, मामा जी कुछ नहीं बोल रहे थे शायद वे भी यही चाहते थे कि अब सब कुछ मैं ही करूं और मेरी भी इच्छा पूरी हो जाए.

मैं लंड को मसलती रही, मामा जी का लंड धीरे धीरे खड़ा, लंबा और मोटा होने लगा, थोड़ी ही देर में लंड पूरी तरह से तन गया. चूंकि मामा जी अपना चेहरा छत की ओर किए हुए थे इसलिए लंड भी ऊपर की ओर तना हुआ था, मैंने सोचा कि यह मौका है मामा जी के लंड को अच्छी तरह से देखने का… मैंने झट से मामा जी की पैन्ट को नीचे खींच दी और चड्डी से लंड को बाहर निकाल लिया, लंड के गुलाबी टोपे के ऊपर चमड़ी चढ़ी हुई थी इसलिए लंड उतना बड़ा नहीं दिख रहा था.

जैसे ही मैंने लंड को पकड़ कर हाथ नीचे की ओर सरकाया, मामा जी के लंड का पिंक टोपा चमड़ी से बाहर आ गया. यह देख कर मैंने ऐसा महसूस किया जैसे कोई गुलाब की कलि खिल कर फूल बन गयी हो.
मैंने कुछ देर तक मामा जी के लंड को ऊपर से नीचे की ओर ही तान कर रखा और दूसरे हाथ से लंड की लंबाई और मोटाई नापने लगी. मामा जी का लंड मेरे नाखून से मेरी कलाई तक लम्बा था और मोटाई इतनी थी कि मेरी एक हाथ की मुट्ठी में नहीं आ पा रहा था.

मैं बार बार मामा जी के लंड को आगे से पीछे की ओर कर रही थी, हर बार लंड फिसले जा रहा था. शायद मामा जी ने जो गांड मारने वक़्त लंड पर वेसलिन लगाई थी उस वजह से…
मैं मामा जी के लंड को गौर से निहारने लगी, ना जाने फिर कब ऐसा मौका मिले ! वेसलिन लगे होने की वजह से मामा जी का लंड का ऊपरी हिस्सा एकदम स्ट्राबेरी जैसा गुलाबी दिख रहा था, मैं खुद को नहीं रोक पा रही थी, मैंने लंड को मुँह में ले लिया और मुँह के

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अंदर ही टोपा को जीभ से सहलाने लगी.

मामा जी सिसकारियाँ भरने लगे, थोड़ी देर बाद मामा जी बोले- अब छोड़ दो, और मत चूसो !
मैंने पूछा- क्यों ना चूसूं ?
मामा जी बोले- सारा रस तुम्हारे मुँह में ही गिर जाएगा तो देखोगी कैसे लंड से रस निकलते ?
मैं रुक गयी, मैंने सोचा कि मामा जी खुद से लंड को हिला कर रस निकाल कर मुझे दिखाएँगे.

पर मामा जी बोले- चलो कपड़े उतारो.
मैं बोली- क्यों ?
मामा जी बोले- तुम्हारी चूत की चुदाई करनी है.
मैं बोली- फिर आप मुझे कैसे दिखाएँगे, सारा रस तो अंदर ही निकल जाएगा ; नहीं, आप खुद ही हाथ से सहला कर रस निकालो, मुझे देखना है.
मामा जी बोले- मुझ पर भरोसा रखो ; मैं रस निकल कर दिखा दूँगा.
मैं बोली- नहीं, मुझे अभी ही देखना है.
मामा बोले- हाँ बाबा, अभी ही दिखा दूँगा.

मैं मान गयी और कपड़े उतार दिए. अब मैं पूरी तरह से नंगी हो चुकी थी ; मैंने सोचा कि जब मैं पूरी नंगी हो ही चुकी हूँ तो क्यों ना मामा जी की सू सू निकलते देख लूँ ; मैं मामा जी को बोली- आप एक बार खड़े हो सकते हैं ?
मामा जी खड़े हो गये, मैं बोली- मुझे आपकी सू सू भी पीनी है.
मामा जी मान गये, मैं नीचे बैठ गयी, मामा जी लंड पकड़ कर सू सू करने की कोशिश करने लगे पर नहीं निकल रहा था ; मैंने पूछा- नहीं लगी है क्या सू सू ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मामा जी बोले- लंड जब खड़ा हो ना लड़के का ; तो जल्दी सू सू नहीं निकलता है.

बहुत कोशिश करने के बाद थोड़ा सू सू निकला जो मामा ने मेरे मुँह पर गिरा दिया ; फिर मामा जी बोले- चुदाई के बाद मेरा लंड सुकड़ जाएगा तो मैं बाथरूम ले जाकर तुमको दिखा दूँगा कि सू सू कैसे निकलता है.

फिर मामा जी बोले- चलो घोड़ी बन जाओ.
मैं सोचने लगी कि इस बार मामा जी ने मेरी चूत क्यों नहीं चूसी ; पर मैं कुछ नहीं बोली और घोड़ी बन गयी, मैंने अपना सर नीचे झुका कर गांड को ऊपर के ओर तान दिया जिससे मेरी गांड और चूत दोनों खुल गयी. मामा जी ने मेरे चूतड़ अपने दोनों हाथ से फैला कर अपने होंठ पीछे से मेरी चूत पर चिपका लिए ; अब मेरी चूत को पीछे से ही चूसने लगे, मैं गर्म होने लगी, मेरे मुँह से मादकता भारी आवाज़ निकलने लगी, मैं बोलने लगी- जल्दी से अपना लंड मेरी चूत में घुसा दीजिए.

मामा जी ने भी घुटनों के बल आधे बैठ कर लंड मेरी चूत में घुसा दिया और धक्का देने लगे. मामा जी का लंड बहुत गर्म लग रहा था चूत के अंदर, मानो किसी को 102 डिग्री बुखार हो.
मेरे मन में ख्याल आ रहां था कि लंड ऊपर से इतना गर्म है तो रस कितना गर्म होगा ; और अगर मामा ने लंड का पानी मेरी चूत के अंदर गिरा दिया तो क्या होगा.

5 मिनट की चुदाई के बाद मामा रुक गये और लंड चूत से बाहर निकाल लिया, खुद बेड पर लेट गये और अपने हाथ से लंड को पकड़ कर मुझे बोले- मेरे लंड पर गांड मेरी ओर कर के चूत रख दो.
मैंने वैसा ही किया, मामा का पूरा लंड मेरी चूत में समा गया, मेरी मुँह से चीख निकल गई- हाय !
मैं गांड को धीरे धीरे ऊपर नीचे करने लगी.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थोड़ी देर बाद मामा अपने दोनों हाथ से मेरी गांड को पकड़ कर सहारा देने लगे जिससे मेरी रफ़्तार बढ़ गयी गांड ऊपर नीचे करने की, कुछ ही देर में मेरी चूत से गर्म रस की धारा निकलने लगी थी, मुझे महसूस हुआ कि मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया है, चूत में फिसलन होने से मामा भी समझ गये कि मैं झर चुकी हूँ.

मैं ढीली पड़ने लगी थी, मामा जी बोले- रिशू रुक जाओ !
मामा जी ने लंड निकल लिया मेरी चूत से और बोले- बगल में बैठ जाओ.
मामा जी का लंड ऊपर की ओर तना हुआ था, मामा जी ने मेरा दायाँ हाथ पकड़ कर अपने लंड पर रख लिया और बोले- ज़ोर से पकड़ कर ऊपर नीचा करो, जब मेरी मुँह से आह आह निकलने लगे तो एकदम से नीचे की ओर खींच कर रुक जाना !

मैंने मामा जी के लंड को ज़ोर से पकड़ लिया, मामा जी ने अपने मुँह से ढेर सर थूक निकाल कर लंड पर लगाया.
मैं बोली- आप थूक क्यों लगा रहे हो ? मैं लंड को चूस कर गीली कर देती हूँ.
मैं मामा जी के लंड को चूसने लगी, थोड़ी ही देर में लंड गीला हो गया, मैंने थोड़ा थूक मामा जी के लंड के गुलाबी टोपा पर लगाया और लंड को कस कर मुट्ठी में भर कर ऊपर नीचे करने लगी.
जब मेरी नज़र मामा जी के चेहरे पर पड़ी तो मामा जी आँख बंद कर के सिसकारियाँ ले रहे थे, मामा जी बोले- रिशू रफ़्तार बढ़ाओ.
मैं तेज़ी से हाथ को ऊपर नीचे करने लगी, रफ़्तार बढ़ाने के साथ ही मामा जी के लंड से पच पच की आवाज़ निकालने लगी.
थोड़ी देर बाद मामा जी बोले- रिशू, मैं झरने वाला हूँ.
मैं गौर से लंड को देखने लगी, मामा जी बोले- लंड कस कर नीचे की ओर ठेलो.
मैंने अपनी मुट्ठी कस ली और मुट्ठी को मामा जी के लंड के गोले तक सटा दिया, मामा जी के लंड से सफ़ेद रस निकलने लगा पर थोड़ा थोड़ा !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अचानक से मामा जी अपना उंगली लंड के टोपे पर रख कर दबा दिया और नीचे की ओर ज़ोर से खींचने लगे, जैसे किसी मुर्गा को हलाल करने से पहले गला पकड़ते हैं. अचानक से मामा जी के लंड से एक मोटी सफेद रस की धारा बहुत ही तेज़ी से निकली, जो हवा में 1 मीटर दूर जा गिरी.
मैं हैरान हो गयी कि धारा इतनी दूर कैसे जा सकती है, मैं सोचने लगी इसलिए शायद जब चूत के अंदर लंड का रस निकलता है तो महसूस होता है कि कोई गर्म सुई चुभा रहा हो.

अब मामा जी का लंड सारा रस निकल चुका था, धीरे धीरे लंड सुकड़ने लगा था, मामा जी को नींद आने लगी थी, शायद काफ़ी थक चुके थे, मैंने मामा जी को आवाज़ दी पर मामा जी जवाब नहीं दे रहे थे, मैंने दो तीन बार आवाज़ दी तो मामा जी की नींद खुल गयी, मामा जी उठ कर बाथरूम चले गये.

थोड़ी देर बाद मामा जी बाथरूम से मुझे आवाज़ दी- रिशू, जल्दी आओ.
जब मैं बाथरूम गयी तो देखा कि मामा अपना सुकड़ा हुआ लंड हाथ में पकड़े हुए थे और लंड का पिंक टोपा बाहर निकाला हुआ था, मैं देखती रही लंड को !
थोड़ी देर में पानी की मोटी धारा निकलने लगी जो काफ़ी दूर जाकर गिर रही थी, मैं समझ गयी थी कि मामा जी के लंड में बहुत दम है.

मैं बोली- मैं आपका लंड पकड़ूँ क्या ?
मामा जी ने हाँ कर दी ; मैंने मामा जी का लंड पकड़ लिया मेरी उंगली को मामा जी के लंड से धारा निकलने की थरथराहट महसूस हो रही थी, बीच बीच में मैं मामा जी के लंड के छेद पर उंगली डाल देती थी जिससे या तो धारा रुक जाती थी या धारा बिखर जाती थी, मेरी उंगलियाँ मामा जी के सू सू से गीली हो गयी थी.

जब पेशाब की धारा पूरी तरह से रुक गयी तो मामा अपना लंड को पानी से साफ कर बाथरूम से निकल गये ; मैंने बाथरूम अंदर से बंद कर लिया और हाथ धोने से पहले मामा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जी के सू सू से गीली हुई उंगली मुँह में ले ली और चूसने लगी, उंगली बिल्कुल नमकीन लग रही थी, मेरी सभी ख्वाहिश पूरी हो चुकी थी.

मैंने भी सू सू करके चूत साफ कर ली और बाथरूम से बाहर आ गयी, कपड़े पहन कर मामा जी से लिपट कर सो गयी.

यह हमारी एक साथ वाली आखिरी रात थी, दोपहर तक मम्मी पापा आ जाने वाले थे.

पाठको, अब मैं अपनी कहानी को विराम दे रही हूँ, अगली मॉर्निंग मेरी एक और चुदाई हुई पर उसमें कुछ नया नहीं था, बस मजा था.

यह मेरी कहानी की आखिरी हिस्सा है, पीछे के सारी कहानी और आज की कहानी केवल तीन दिन और तीन रात में घटित है. मुझे कोई कहानी खुद से बनाने नहीं आती है इसलिए अन्तर्वासना पर यह मेरी अंतिम कहानी होगी.

आप पाठकों ने बहुत प्यार दिया, बहुत सराहा मेरी कहानी को… इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद.

मेरी कहानी कैसी लगी, ज़रूर ईमेल द्वारा बताना.
rishankigupta03@gmail.com
मुझे आप पाठकों के कॉमेंटस का बेसब्री से इंतज़ार रहेगा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Meri Sex Story

URL: www.merisexstory.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Hindi, Desi **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Hindi sex stories, Indian sex, Desi sex kahani.

Malayalam Sex Stories

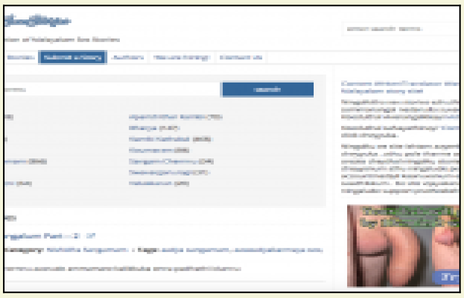

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Desi Tales

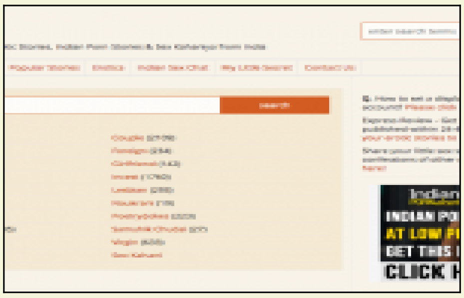

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Pinay Sex Stories

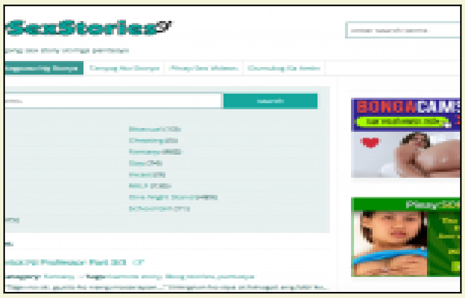

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Savita Bhabhi Movie

URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India’s first ever animated erotic movie.

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire